प्रश्न पत्र विवेचना
एथिक्स - हिन्दी
यू.पी.एस.सी.२०१६

कृष्ण कुमार तिवारी

अभिवृति – मूल्य – मान्यतायें - परम्परायें
रूढियों का आधुनिक परिवेश में उन्मूलन एवम सामाजिक मूल्यों का संवर्द्धन.

- प्रश्न - ६
- जीवन, कार्य, अन्य व्यक्तिओं एवम् समाज के प्रति हमारी अभिवृतियां आमतौर पर अनजाने में परिवार एवम् उस सामाजिक परिवेश द्वारा रूपित हो जाती हैं जिसमें हम बड़े होते हैं|
- अनजाने में प्राप्त इनमें से कुछ अभिवृतियां एवम मूल्य अक्सर आधुनिक लोकतंत्र एवम् समतावादी समाज के नागरिकों के लिए अवांछनीय होते हैं|
- आज के शिक्षित भारतीओं में विधमान ऐसे अवांछनीय मूल्यों की विवेचना कीजिये?
- ऐसी अवांछनीय अभिवृतियों को कैसे बदला जा सकता है तथा लोक सेवाओं के लिए आवश्यक समझे जाने वाले सामजिक मूल्यों को आकांक्षी तथा कार्यरत लोक सेवकों में किस प्रकार संवर्धित किया जा सकता हैं?

उत्तर

अभिवृत्ति

आधुनिक सामाजिक परिवेश, शिक्षा एवम शासन पद्धति में बदलाव के कारण अभिवृत्तियों (आदत/रूचि) में भी बदलाव आवश्यक है|.

क्योंकी:

- जन्मजात नहीं होती परिवर्तनशील होती हैं|
- वातवरण और परिवेश से अनुभव द्वारा अर्जित होती है|
- माता-पिता-परिवार-समुदाय-शिक्षा-सिनेमा-परिस्थिती-सलाह-सूचना.
- वस्तु,व्यक्ति,समूह,संस्था,मूल्य,अथवा,मान्यता के प्रति झुकाव.
- मनुष्य के व्यक्तित्व को आकर देती हैं|

अवांछनीय मूल्य एवम् अभिवृतियां

- छुआछूत की प्रथा
- जतिप्रथा:-
- लिंग भेद:-
- अमीर-गरीब:-
- विकलांग-समर्थ:-
- असहिष्णुता:-
- आज्ञाकारिता का अभाव:-
- अंधविश्वास:-
- मत भिन्नता के प्रति असम्मान:-
- झूठ बोलना-बहाने बनाना(असत्यता)
- टेक्सचोरी:-
- भ्रष्टाचार:-
- दहेजप्रथा:-
- बिजली,पानी, भोजन, का अपव्य:-
- पर्यावरण के प्रति उदासीनता:-
- स्वच्छता के प्रति उदासीनता:-
- यातायात के नियमों की अवहेलना
- सत्यनिष्ठा का अभाव:- (Integrity)
- सर्व धर्म समभाव न होना:-
- भोतिकवादिता के प्रति झुकाव:-

अवांछनीय मूल्यों का उन्मूलन एवम सामाजिक मूल्यों का संवर्द्धन.

परिवार और समाज के परिवेश को स्वस्थ बनाने हेतु:-

- शिक्षा में हर स्तर पर छात्रों के सर्वांगीण और सकारात्मक विकास पर बल.
- प्रोढ़ शिक्षा की अनिवार्यता और उसमें सकारात्मक मूल्यों पर बल.
- सामाजिक परिवेश को उदारवादी बनाने पर बल.
- बेटी बचाओ बेटी पढाओ जैसी योजनाओं पर बल देना.
- आंगनबाड़ी जैसी संस्था का व्यापक उपयोग.

आकांक्षी तथा कार्यरत लोक सेवकों के लिए:-

- सिविल सेवकों के प्रशिक्षण में मूल्यों पर आधारित गुणात्मक सुधार.
- सर्वधर्म समभाव - सर्वजन सुखाय सर्वजन हिताय, पर बल.
- विविधता में एकता पर बल:- भारत दर्शन.
- अन्त्योदय की संकल्पना को व्यहार में लाना.
- द्वतीय लोकसेवा सुधार आयोग की आचार सहिंता एवम नैतिक संहिता का पालन करवाना.

Please like the video and subscribe our channel GSHINDI.COM